20 हमसे सब कहते

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?

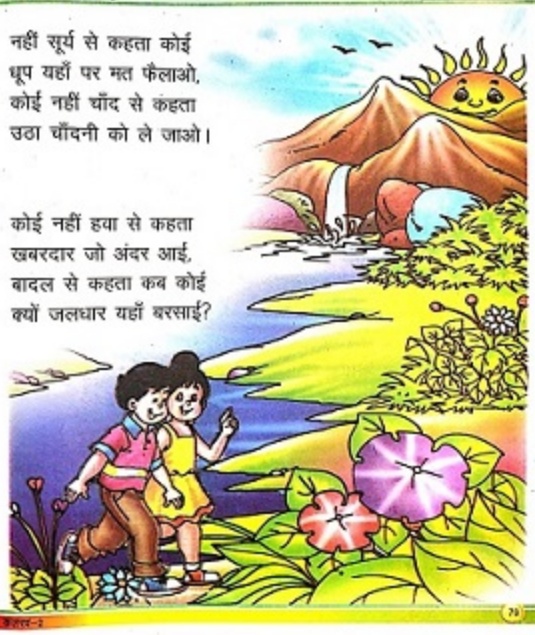

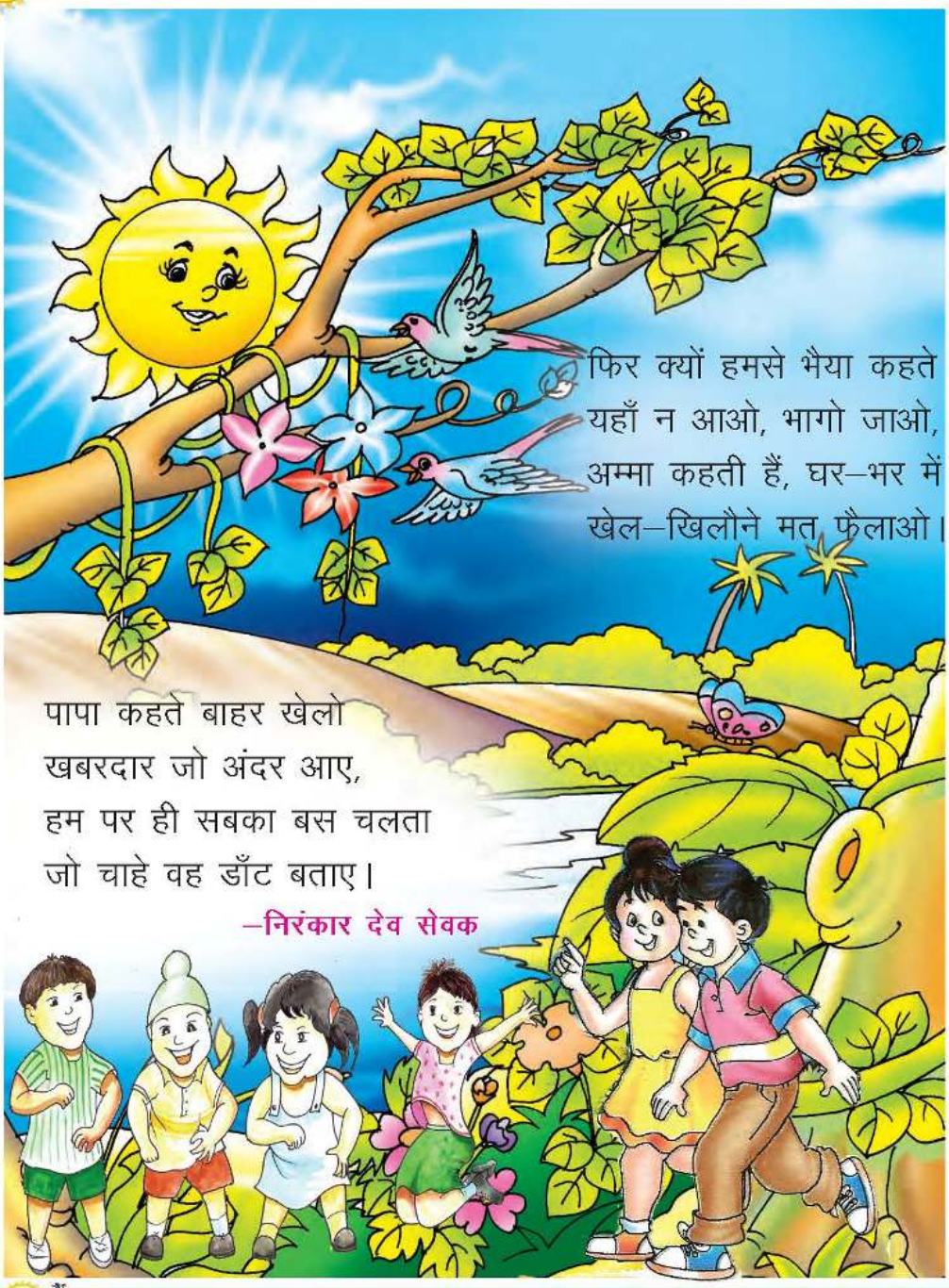
फिर क्यों हमसे भैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर–भर में
खेल–खिलौने मत फैलाओ।
पापा कहते बाहर खेलो
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।
–निरंकार देव सेवक

अभ्यास

1. सोचो और बताओ –

क. सूरज से कोई कुछ क्यों नहीं कहता है ?

ख. अम्मा घर में खेल–खिलौने फैलाने से क्यों मना करती हैं ?

ग. अगर तुम्हें इस कविता का शीर्षक देना हो तो क्या दोगे ?

घ. तुम्हें घर में –

- कौन–कौन टोकते हैं ?
- किस–किस बात पर टोकते हैं ?
- टोकने पर तुम क्या–क्या करते हो ?

2. पाठ पढ़कर कविता की पंक्तियों को पूरा करो –

नहीं सूर्य से .....

पापा कहते .....

3. इस कविता में जिन व्यक्तियों, वस्तुओं और स्थानों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई सूची में लिखो–

व्यक्ति	वस्तु	स्थान